नवभारत
इंदौर, सोमवार, 02 मार्च 2026



## एक नजर में

### सांवलिया सेठ मंदिर के कल बंद रहेंगे कपाट

**मंदसौर।** मालवा क्षेत्र के प्रसिद्ध भगवान लक्ष्मीनारायण, सांवरिया सेठ मंदिर पर खग्रास चंद्रग्रहण विक्रम संवत 2082 फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा वार मंगलवार 3 मार्च को खग्रास ग्रस्तोदित चंद्र ग्रहण दृष्टिगोचर होगा तथा ग्रहण का सूतक काल होने से भक्तों के लिए भगवान सांवरिया सेठ के दर्शन पूर्णत, कपाट बंद रहेंगे तथा दिनांक 4 मार्च 2026 को प्रतिवर्ष अनुसार रंगो उत्सव होली मंदिर क्षेत्र में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर समिति ने सभी भक्तजन से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस आयोजन में भाग लेवे। रंगो उत्सव के इस आयोजन में किसी भी प्रकार के नशे, मदिरा, भांग इत्यादि का सेवन पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा। इस प्रकार के कृत्य पाए जाने पर ग्रामीणों और मंदिर समिति द्वारा प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

### दलौदा मंडी से चोरी गया लहसुन बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

**मंदसौर।** प्रदेशव्यापी संपत्ति संबंधी अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दलौदा पुलिस ने कृषि उपज मंडी से चोरी हुए लहसुन के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया माल बरामद करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 फरवरी 2026 को कृषि मंडी दलौदा के चौकीदार तुफानसिंह राजपूत ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात बदमाश मंडी से लहसुन के कट्टे चोरी कर ले गए हैं। इस पर थाना दलौदा में अपराध क्रमांक 87/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान थाना प्रभारी शुभम व्यास के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने मुखबिर सूचना के आधार पर एलची रोड स्थित ईदगाह के सामने से आरोपी राधेश्याम उर्फ राजेश (निवासी भदवासा, जिला रतलाम) एवं भानुप्रताप सिंह उर्फ राहुल (निवासी कालूखेड़ा, जिला रतलाम) को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से करीब 75 किलोग्राम चोरी किया गया लहसुन जप्त किया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी शुभम व्यास, सहायक उपनिरीक्षक कैलाशसिंह बघेल, प्रमोद सिंह तोमर, आरक्षक विजेन्द्र सिंह एवं वाहन चालक मुकेश नैन की सराहनीय भूमिका रही।

## गरोठ के खाटूश्याम मंदिर में फागण उत्सव में झूमे लोग

▸ हजारों श्याम भक्तों ने भरी आस्था की रंगत

**गरोठ। फागण मास के पावन अवसर पर गरोठ स्थित श्री खाटु श्याम मंदिर में भव्य फागण महोत्सव का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस धार्मिक आयोजन में गरोठ नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्याम भक्तों ने भाग लेकर बाबा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।**

राजस्थान के सीकर जिले स्थित खाटू श्यामधाम की तर्ज पर आयोजित इस महोत्सव में स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से श्री श्याम कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 40 भजन गायकों ने भाग लेकर भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में दयाराम टेलर (बर्डिया इस्तमुरार) ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 5100 रुपये नगद एवं सम्मान चिन्ह प्राप्त किया, जबकि द्वितीय स्थान पर उर्मिला धाकड़ (शारदा कॉन्वेंट स्कूल, गरोठ) को 3100 रुपये तथा तृतीय स्थान पर दुर्गेश सोलंकी (कुरावन, राजस्थान) को 2100 रुपये नगद एवं सम्मान चिन्ह से सम्मानित किया गया। इसके अलावा बालाराम राठौर (पनवाड़ी) एवं श्यामलाल ग्वाला (गरोठ) को उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए 1100-1100 रुपये के प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी प्रतिभागी भजन गायकों को भी सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

ग्यारस के दिन प्रातः 11 बजे श्री खाटू श्याम मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल और श्याम भक्तों ने बाबा की महाआरती की। इसके पश्चात मंदिर परिसर में फाग महोत्सव के अंतर्गत गुलाल, अबीर और फूलों से होली खेली गई। ढोल और डीजे की धुन पर भक्तों ने बाबा के होली गीतों पर नृत्य कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। लगभग तीन घंटे तक चले इस आयोजन में उपस्थित भक्तों को साबूदाना खिचड़ी एवं ठंडाई का प्रसाद वितरित किया गया।

संध्या 7:30 बजे पुनः महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसमें हजारों भक्तों की उपस्थिति में श्रीखण्ड की महाप्रसादी वितरित की गई। आयोजन की व्यवस्था में सेवा समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का सराहनीय योगदान रहा। पूरा आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम बनकर सामने आया, जिसमें भक्तों ने बाबा श्री खाटु श्याम के चरणों में रंग-भक्ति अर्पित कर फागण उत्सव को यादगार बना दिया।

## देश को विकसित बनाना है तो प्रदूषण को गंभीरता से होगा लेना : बटवाल

**मंदसौर।** देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हर सम्भव प्रयास किए जाने की आवश्यकता हैं। एक कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की पूर्व प्रमुख गीता गोपीनाथ ने बताया कि देश के विकास में शुद्ध पर्यावरण का डेढ़ फीसदी का योगदान है। इसलिए यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है तो प्रदूषण को गंभीरता से लेना होगा।

इसी लक्ष्य को लेकर अनुराग संस्था स्थानीय स्तर पर 'स्वच्छ मन्दसौर - स्वस्थ मन्दसौर' प्रयासरत है। यदि भारतवर्ष को विकसित राष्ट्र बनाना है तो देश के प्रत्येक गांव व नगर को स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त बनाना होगा। आशा है नगरपालिका अनुराग संस्था द्वारा प्रस्तुत स्वच्छता प्रस्ताव गंभीरता से लेकर उस पर शीघ्र क्रियान्वयन करेगी।

उक्त बात समाजसेवी वैद्य ललितकुमार बटवाल ने कही। वे अनुराग संस्था द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण व जल संवर्धन को लेकर निकाली जाने वाली जनजागरण पदयात्रा के अवसर पर अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे।

अनुराग जनजागरूकता पदयात्रा में हरिनारायण माथुर, रमेश सोनी, बंशीलाल टांक, चंद्रशेखर गौड़, दिनेशदास बैरागी, सत्यनारायण भूरिया, श्रीचंद भावनानी, इंजी. सुनील व्यास, इंजी. एस. के. जैन, राजेश मेडतवाल, राजनारायण भटनागर आदि गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया।

## ग्राम कुचड़ोद में चारभुजा मंदिर जीर्णोद्धार के लिए किया भूमिपूजन

**मंदसौर।** धुंधड़का मंडल के ग्राम कुचड़ोद में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री माननीय जगदीश देवड़ा द्वारा (स्वीकृत राशि 38 लाख) व राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर द्वारा (7 लाख) और ग्रामवासियों के सहयोग से चारभुजा मंदिर के जीर्णोद्वार के भूमिपूजन कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा के साथ सहभागिता करने पर सभी ग्रामवासियों को उपमुख्यमंत्री देवड़ा बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित करी।

यह पुनीत कार्य क्षेत्र में आस्था, संस्कृति और परंपरा को नई ऊर्जा देगा जिससे सुख, शांति और समृद्धि आएगी। यह पवित्र अवसर सभी श्रद्धालुओं के लिए मंगलमय और शुभ आशीर्वाद लेकर आया जिसके लिये सम्पूर्ण गांव में सबके मन में सुकून भरा अपार हर्ष छा गया।

इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कथावाचक अपर्णा दीदी नागदा, पूज्य महंत संतदास महाराज, मंडल महामंत्री पुष्कर बैरागी, जनपद सदस्य प्रतिनिधि प्रेमसिंह पंवार, सरपंच कारूलाल भील, सरपंच श्यामदास बैरागी, उप सरपंच बिहारीलाल गोयल, योग गुरू बंशीलाल टांक, निर्मल टेलर सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहें।

**एक नजर** ▸ जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन और कृषि विभाग का आयोजन

## मंदसौर में जैविक हाट बाजार को मिला लोगों का भरपूर समर्थन

**मंदसौर।** जिले में जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और कृषि विभाग द्वारा शुरू किया गया साप्ताहिक जैविक एवं प्राकृतिक हाट बाजार अब शहरवासियों की पहली पसंद बनता जा रहा है। महाराणा प्रताप बस स्टैंड स्थित अभिव्यक्ति स्थल पर प्रत्येक रविवार को लगने वाले इस हाट बाजार में नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिल रही है।

किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत शुरू की गई इस पहल के तहत हाट बाजार प्रत्येक रविवार को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। यहां जिले के विभिन्न गांवों से आए किसान जैविक एवं प्राकृतिक विधि से तैयार अपने उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं को उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे उन्हें उचित मूल्य मिल रहा है और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो रही है।

उप संचालक कृषि मोदी ने बताया कि बाजार में ताजी और रसायन मुक्त सब्जियां, फल, अनाज, दालें एवं मसाले उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिन्हें नागरिकों ने हाथोंहाथ लिया। हाट बाजार में मटर, पालक, मेथी, टमाटर, हरा धनिया, मूंगफली, पपीता, संतरा, अमरूद सहित गेहूं, मक्का, ज्वार, चना, काबुली चना, किनोवा, चिया सीड, कुसुम करडी जैसे उत्पादों के साथ ही केंचुआ खाद, हल्दी, अश्वगंधा, शहद, घी, जीवामृत व बीजामृत भी विक्रय के लिए उपलब्ध रहे।

हाट बाजार में आए उपभोक्ताओं ने बताया कि रसायन मुक्त और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की उपलब्धता से उन्हें गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित भोजन मिल रहा है। वहीं किसानों का कहना है कि इस तरह के आयोजनों से उन्हें बेहतर विपणन मंच मिल रहा है और उनकी आय तथा आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि हो रही है।

जिला प्रशासन ने जिले के सभी जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों, उत्पादक समूहों तथा स्वयं सहायता समूहों से इस हाट बाजार से जुड़कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है, ताकि इस पहल को और अधिक सफल बनाया जा सके और जिले में जैविक खेती को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिल सके।

# नीमच

## एक नजर में

### स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को लेकर हर घर स्वच्छता की दस्तक महा-अभियान तेज, घर-घर पहुंच रही नगर परिषद की टीम

**मनासा।** नगर परिषद द्वारा मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता संकल्प महा-अभियान एवं स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत 'हर घर स्वच्छता की दस्तक' अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। अध्यक्ष श्रीमती सीमा अजय तिवारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री संजय पाटीदार के निर्देशन में निकाय की स्वच्छता टीम नगर के विभिन्न वार्डों में घर-घर पहुंचकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रही है। अभियान के तहत नागरिकों को घर से निकलने वाले चार प्रकार के कचरे - गीला, सूखा, घरेलू हानिकारक एवं सैनिटरी कचरा- को अलग-अलग रखने की जानकारी दी जा रही है। साथ ही दो डस्टबिन का उपयोग करने एवं कचरा केवल नगर परिषद के वाहन में ही देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्वच्छता टीम द्वारा घरों पर दस्तक देकर यह भी जानकारी ली जा रही है कि कचरा वाहन प्रतिदिन आ रहा है या नहीं, समय पर पहुंच रहा है या नहीं तथा नागरिक कचरे का पृथक्करण कर रहे हैं या नहीं। इसके अतिरिक्त प्रत्येक तीन वर्ष में सेप्टिक टैंक की सफाई करवाने के संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी जा रही है। नगर परिषद ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छता सर्वेक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए मनासा को स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर बनाने में अपना सहयोग प्रदान करे।

### दशहरा मैदान में होगा सामूहिक होलिका दहन, आर्केस्ट्रा रहेगी आकर्षण का केंद्र

**नीमच।** नीमच सांस्कृतिक उत्सव समिति नीमच के द्वारा बीते 11 वर्षो अधिक से होलिका दहन का आयोजन किया जाता आ रहा है। नीमच सांस्कृतिक उत्सव समिति हर वर्ष पारंपरिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शहर के दशहरा मैदान में होली का पर्व को लेकर एक बड़ा आयोजन करती है जिसमें सांस्कृतिक आयोजन भी होते हैं उसी के अंतर्गत प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी होलिका पर्व धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसके अंतर्गत आर्केस्ट्रा मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी, जिसमें होली गीतों की मस्ती के साथ होली पर्व का आगाज होगा। इस हेतु तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु नीमच सांस्कृतिक उत्सव समिति के सदस्यों बृजेश मित्तल, ओम दीवान, मनोहर अंब, इलियास कुरैशी, रमेश बोरीवाल, रोहित खेर (सोनू यादव), धर्मेंद्र परिहार, ठाकुर जी पिपलोंन आदि ने 28 फरवरी शनिवार को दशहरा मैदान आयोजन स्थल परिसर का मौका मुआयना कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया। सभी ने एक मत से निर्णय लिया कि पारंपरिक होली का पर्व होली के मधुर गीतों के साथ पारिवारिक माहौल में संपन्न होगा।

## खग्रास चंद्रग्रहण, धुलंडी पर 9 घंटे का सूतक

▸ , मंदिरों के पट रहेंगे बंद

**नीमच। होली इस बार खास संयोग में मनेगी। सोमवार को होलिका दहन होगा और मंगलवार को धुलंडी खेली जाएगी। मंगलवार को खग्रास चन्द्रग्रहण रहेगा। दिनांक 2 मार्च सोमवार को होलिका दहन सायं 6:30 बजे से 9:00 के बीच होगा।**

मुहूर्त का समय यही है एवं दिनांक 3 मार्च मंगलवार को चंद्र ग्रहण रहेगा। उस दिन धुलेंडी भी रहेगी चंद्र ग्रहण का सूतक प्रातः 6:30 बजे लगेगा एवं ग्रहण सायं 6:30 से प्रारम्भ होकर 6:45 बजे तक रहेगा। अतः ग्रहण के पश्चात स्वयं शुद्ध जल से स्नान करें तत्पश्चात भगवान के स्थान पर भी शुद्धि करण करें एवं स्नान करवाएं एवं वस्त्र बदले। शाम 6:45 बजे तक चंद्र ग्रहण रहने के साथ ही तय समय के लिए मंदिरों के पट बंद हो जाएंगे। चन्द्रग्रहण के 9 घंटे के सूतक में धुलंडी मनाई जाएगी। सूतक सुबह से लागू होगा। फाल्गुन पूर्णिमा सोमवार की शाम 5. 56 से मंगलवार की शाम 5.7 बजे तक रहेगी। यानी पूर्णिमा का व्रत मंगलवार को रखा जाएगा। भगवान सत्यनारायण की कथा का वाचन भी इसी दिन किया जा सकेगा।

पंडित मुकेश उपाध्याय बताते हैं कि चन्द्रग्रहण में 3 प्रहर (9 घंटे) और सूर्यग्रहण में 4 प्रहर (12 घंटे) पहले से सूतक माना जाता है। इस समय सशक्त व्यक्तियों को भोजन छोड़ देना चाहिए। ग्रहण के समय भगवान के पाठ जप एवं दान का बहुत महत्व है। अतः सायं 6:30 से 6:45 के बीच अपने कुल देवता का जाप या पाठ करें एवं ग्रहण काल के पश्चात दान भी कर सकते हैं। इससे आयु, आरोग्य, बुद्धि की विलक्षणता बनी रहेगी, परंतु बालक, बूढ़े, बीमार व गर्भवती महिलाएं ग्रहण से 1.5 प्रहर (4.5 घंटे) पहले तक कुछ खा-पी लें तो चल सकता है। इसके बाद खाने से बचना चाहिए। गर्भवती महिलाओं को ग्रहण के समय खास सावधानी बरतनी चाहिए।

भद्रा शाम 5:56 से अगले दिन सुबह 5:28 बजे तक रहेगी, इसलिए भद्रा मुख में दहन वर्जित रहेगा। सूतक (ग्रहण-वैध) के पहले जिन पदार्थों में कुश, तिल या तुलसी-पत्ते डाल दिए जाते हैं, वे सूतक व ग्रहण काल में दूषित नहीं होते। दूध या दूध से बने व्यंजनों में तिल या तुलसी नहीं डालें। कुश आदि डला पानी सूतककाल में उपयोग में ला सकते हैं। ग्रहण में अगर सावधानी रही तो थोड़े ही समय में बहुत पुण्यमय, सुखमय जीवन होगा। थोड़ी ही असावधानी भी नुकसान कर सकती है। ग्रहणकाल में भोजन करनेवाला अधोगति को जाता है। नींद लेने से बचना चाहिए। तेल-मालिश करने या उबटन लगाने से बचना चाहिए। पत्ते, तिनके, लकड़ी, फूल नहीं तोड़ने चाहिए।

पं. मुकेश उपाध्याय के अनुसार ग्रहण के समय रुद्राक्ष-माला धारण करने से पाप नष्ट हो जाते हैं, परंतु रुद्राक्ष असली रुद्राक्ष हों। मंत्र दीक्षा में मिले मंत्र का ग्रहण के समय जप करने से उसकी सिद्धि हो जाती है। महर्षि वेदव्यासजी कहते हैं- चन्द्रग्रहण के समय किया हुआ जप फलदायी होता है। यदि गंगाजल पास में हो तो और भी अच्छा है। स्वास्थ्य-मंत्र जप लेना, ब्रह्मचर्य का मंत्र भी सिद्ध कर लेना चाहिए।

इस समय भगवद्-चिंतन, भगवद्-ध्यान, भगवद्-ज्ञान का लाभ ले तो वह व्यक्ति सहज में भगवद्-धाम, भगवद्-रस को पाता है। ग्रहण के समय अगर भगवद्-विरह पैदा हो जाता है तो वह भगवान को पाने के समान है। ग्रहण के समय किया हुआ जप, मौन, ध्यान, प्रभु-सुमिरन कई गुना हो जाता है। ग्रहण के बाद वस्त्र सहित स्नान करना चाहिए। ग्रहण के समय उपवास करें और ब्राह्मी घृत को उंगली से स्पर्श कर '?नमो नारायणाय' मंत्र का जप करना चाहिए।

## अधिक मास में गूंजेगा शिवमहिमा का स्वर

▸ इंदिरा नगर में 17 से 25 मई तक श्री शिव महापुराण कथा

**नीमच।** अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) के पावन अवसर पर इंदिरा नगर क्षेत्र शिवभक्ति के रंग में रंगने जा रहा है। श्री भोलेनाथ सेवा समिति इंदिरा नगर नीमच के तत्वावधान में न्यू इंदिरा नगर, श्री कृष्णा ब्लॉक में 17 मई से 25 मई तक दिव्य एवं भक्तिमय श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा।

कथा का वाचन प्रख्यात कथावाचक राजेंद्र जी पुरोहित के मुखारविंद से होगा। आयोजन को लेकर शनिवार रात्रि 8 बजे श्री रमेश मालवीय के निवास पर बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी रघुवीर कंडारा, एम.एल. जाटव, ओमप्रकाश गौड़, अखिलेश घोंगड़े, रमेशचंद्र जैन, अशोक विश्वकर्मा, रामलाल गोगिया, फूलसिंह राठौर, तुलसीराम धाकड़, बाबूलाल मनावत, रोहित राठौर, अरविंद शर्मा, शैलेन्द्र शर्मा, कृष्णा विश्वकर्मा, मोहित धाकड़, कृष्णा कंडारा, आदित्य घोंगड़े, शिवा शर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे k

मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी भी उल्लेखनीय रही। मंजू देवी कंडारा, वर्षा श्रीवास्तव, सीमा गौड़, कौशल्या गोगिया, शारदा मालवीय, आरती गुप्ता, प्रमिला जोशी, विष्णु धाकड़, मोनिका शर्मा, पीहू मालवीय, अक्कू घोंगड़े सहित अन्य महिलाओं ने आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

**एक नजर** ▸ सीएम मोहन यादव के आश्वासन के बाद बस संचालकों का फैसला, यात्रियों के लिए राहत

## 2 मार्च से प्रस्तावित निजी बसों की हड़ताल स्थगित

**नीमच।** मध्य प्रदेश में 2 मार्च से शुरू होने वाली निजी बसों की अनिश्चितकालीन हड़ताल को फिलहाल के लिए टाल दिया गया है। इस फैसले से प्रदेशभर के उन लाखों यात्रियों ने राहत की सांस ली है, जो रोजाना सफर के लिए निजी बसों पर निर्भर हैं। अब पूरे प्रदेश में बसों का संचालन पहले की तरह सामान्य रूप से जारी रहेगा। हड़ताल स्थगित करने का यह महत्वपूर्ण निर्णय बस संचालकों के प्रतिनिधिमंडल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बीच हुई एक अहम बैठक के बाद लिया गया।

नीमच प्राइवेट बस ऑपरेटर एसोसिएशन के संरक्षक मुकेश गुप्ता ने बताया कि उनके प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन में अपनी प्रमुख समस्याओं को विस्तार से रखा। मुख्यमंत्री ने बस संचालकों की तीन प्रमुख मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए उनके शीघ्र और व्यावहारिक समाधान का पूरा भरोसा दिलाया है। सरकार के इसी ठोस आश्वासन को देखते हुए संगठन ने अपना आंदोलन फिलहाल रोकने का फैसला किया है। मांगें नहीं मानी गईं तो फिर होगा आंदोलन हड़ताल भले ही अभी टल गई है, लेकिन बस संचालकों ने अपना रुख पूरी तरह स्पष्ट रखा है। नीमच प्राइवेट बस ऑपरेटर एसोसिएशन केसंरक्षक मुकेश गुप्ता ने चेतावनी दी है कि यदि तय समय सीमा के भीतर उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं किया जाता है, तो वे भविष्य में फिर से उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

बस ऑपरेटरों का कहना था कि राजपत्रों के कुछ प्रावधानों से परिवहन व्यवसाय पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और संचालन व्यवस्था प्रभावित होगी। इसी मुद्दे पर प्रदेशभर के संगठनों ने एकजुट होकर दबाव बनाया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री स्तर पर प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में सहमति बनी कि विवादित प्रावधानों पर संबंधित पक्षों से संवाद के बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। शासन के सकारात्मक रुख को देखते हुए संगठनों ने आमजन को परेशानी से बचाने के उद्देश्य से हड़ताल स्थगित कर दी।

हड़ताल टलने से नीमच सहित पूरे प्रदेश के यात्रियों को बड़ी राहत मिली है। ग्रामीण और अंचल क्षेत्रों का आवागमन, व्यापारिक गतिविधियां और विद्यार्थियों की परीक्षाएं अब प्रभावित नहीं होंगी। स्पष्ट है कि यह सिर्फ प्रदेश की जीत नहीं, बल्कि नीमच सहित हर जिले के बस संचालकों की संयुक्त आवाज का परिणाम है।